स्त्री या पुरुष हैं यह महत्वपूर्ण नहीं, मायने यह रखता है कि आप इंसान कैसे हैं

वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में हुए कार्यक्रम में एसजेएमसी फैकल्टी सोनाली नरगुंदे ने महिला सशक्तिकरण पर अपनी बात रखी।

महिला दिवस पर शहर में कई कार्यक्रम हुए, वैष्णव विद्यापीठ यूनिवर्सिटी और मैनेजमेंट में बात हुई जेंडर इनसेंसिटिविटी की

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर शहर में कई कार्यक्रम हुए जिनमें स्त्रियों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। कहीं चर्चा हुई तो कहीं मानीखेज काम कर रहीं महिलाओं को सम्मानित किया गया। वैष्णव यूनिवर्सिटी और वैष्णव मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट में भी ऐसे ही आयोजन हुए। मुख्य अतिथि एएसपी निवेदिता नायडू ने स्वयं की प्रेरणा रही इन्फोसिस की डॉ. सुधा मूर्ति और अपने ही विभाग की कॉन्स्टेबल से जुड़ी दो प्रेरणादायी कहानियां सुनाते हुए कहा कि स्त्री हैं या पुरुष, यह मायने नहीं रखता है। महत्वपूर्ण यह है कि आप इंसान कैसे हैं। आपके मूल्य क्या हैं। जीने का अंदाज कैसा है। डॉ. सुधा मूर्ति ऐसी महिला हैं, जिन्होंने इन्फोसिस कंपनी को खराब दौर से निकाला और देश की एक बड़ी आईटी कंपनी के रूप में स्थापित कर दिया। यह उनकी विचारों की क्षमता थी। एक ऐसी ही कहानी है मेरे अपने विभाग की कॉन्स्टेबल की जिसने अपनी मां के लिए एक गांव में छोटी सी कपड़े की दुकान खुलवाने के लिए 27 हजार रुपए का लोन लिया, हिम्मत नहीं हारी। एएसपी निवेदिता ने कहा कि स्त्री और पुरुष के रूप में श्रेष्ठ छवि बनाने के बजाय यदि हम बेहतरीन इंसान बन पाएं तो ज्यादा सार्थक होगा। विशेष अतिथि पत्रकार अंकिता जोशी ने भी संबोधित किया।

एएसपी निवेदिता नायडू

नितिन डेविड ने स्टूडेंट्स को हेलमेट गिफ्ट किए। 2015 में एक रोड एक्सीडेंट में उन्होंने बेटा खो दिया था। इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर डॉ. जॉर्ज थॉमस और फैकल्टी डॉ. क्षमा पैठनकर ने सभी महिलाओं को बधाई दी।